



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 199]

मई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 26, 1981/कार्तिक 4, 1903

No. 199]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 26, 1981/KARTIKA 4, 1903

इस भाग में भिन्न प्रकाशित संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

दारणिक्षण मंत्रालय

आयात व्यापार विभाग

सार्वजनिक सूचना संख्या—53 आई० टी० सी० (पी० एन०)/81

मई दिल्ली, 26 अक्टूबर, 1981

विषय—विवेद में प्रदर्शनी और विक्री के लिए हस्तांशिल्प और हृष्ट-
करण नियात निगम द्वारा स्वर्ण आभूषणों/वस्तुओं का
नियात।

मिसिल संख्या-6/182/81-ई० पी० सी०:—भवन्नार, 1981 में
यूराइशिट भवन अभिरात में हीने वाली प्रदर्शनी में भारत के हस्तांशिल्प
और हृष्टकरण नियात निगम द्वारा स्वर्ण आभूषणों के नियात
और उनकी विक्री तथा प्रतिकूल के रूप में सोने के आयात के लिए
योजना इस सार्वजनिक सूचना के लिए निम्न अनुंदित में दी जाती है।

अनुबंध

नवम्बर, 1981 के द्वितीय संयुक्त भवन अभिरात में हीने वाली
प्रदर्शनी में भारत के हस्तांशिल्प और हृष्टकरण नियात निगम
लिमिटेड द्वारा स्वर्ण आभूषणों और वस्तुओं के नियात और उन
की विक्री के लिए योजना:—

जैसा कि स्वर्ण (नियन्त्रण) अधिनियम, 1968 में परिभ्राष्ट है
इस योजना के अन्तर्गत केवल स्वर्ण आभूषण और वस्तुओं (सिक्कों

से भिन्न) के नियात की अनुमति दी जाएगी। नियात के लिए मर्दे 0.5833
मुद्राता के स्वर्ण से कम तरीं बहती होनी चाहिए जो 14 कैरट के समरूप
है।

2. नियात हस्तांशिल्प और हृष्टकरण नियात निगम या इसके सहयोगी-
नियों द्वारा किया जाएगा। पात्र सहयोगी वही होंगे जिन्हें 1981-82
के लिए आयात नीती के परिशिष्ट 31 में निहित वर्तमान योजना की
कंडिका 3 में श्रेणीबद्ध किया गया है।

3. इस योजना के प्रधिन संयुक्त भवन/अभिरात में प्रदर्शनी लगाने
के लिए नियात, भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमोदन पर प्रेषण के आधार
पर किए जाएंगे। नियात की जाने वाली प्रत्येक मद, उसका कुल भार/
मूल्य और स्वर्ण वस्तु का भार और मुद्राता के अन्तरे साफ़-साफ़ किए जाने चाहिए।
उपर्युक्त स्वर्ण वस्तु के अतिरिक्त जिन्हें मदों के मामले में उनके विनिर्माण में
प्रयुक्त होने वाली मद का विवरण/भार/परम्परा/रत्न/मोती का मूल्य और साथ
ही साथ सोने में विविध जूसों के लिए उपयोग में लाई गई अन्य बहुमूल्य
धातु का विवरण भी किया जाना चाहिए।

4. नियात के समय नियात की जाने वाली मद में स्वर्ण वस्तु
का संतापन दीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा 1981-82 के लिए प्रायात
नीती के परिशिष्ट 31 में वर्तमान योजना की कंडिका 17 में यथा
निर्धारित विधि के अनुसार किया जाएगा।

5. नियात इस भार्त के अधीन होगा कि (1) जो नियातित मर्दे
विवेद में बेची नहीं जाएंगी वे प्रदर्शनी समाप्त होने के 15 दिनों के
भीतर भारत में पुनः आयात की जाएंगी, और (2) विवेद में बेची

गई मर्दों के सम्बन्ध में उनकी सोने की मात्रा प्रदर्शनी समाप्त होने के अधिक से अधिक 15 दिनों के भीतर प्रतिपूर्ति के रूप में आयात की जाएगी। आयात की प्रनुभव देने से पहले भारत का हस्तशिल्प और हथकरघा नियंत्रित नियम लिंग, सीमा शुल्क प्राधिकारी के साथ इस सम्बन्ध में एक बाल्क निष्पादित करेगा।

6. आयात नीति 1981-82 के परिशिष्ट-31 में विद्यमान योजना के पैग 6 में यथानिर्धारित सोने की मात्रा के मूल्य से न्यूनतम 15 प्रतिशत अधिक मूल्य यहां सी लागू होगा।

7. प्रतिपूर्ति के रूप में सोने की खरीद भारतीय स्टेट बैंक की अथवा बुकाई में प्राधिकृत एजेन्ट की सहायता से की जाएगी। इस बात का मुनिष्य किया जाएगा, कि सोने की बुकाई रई कीमत इनसी हो जाएगी ताकि निर्धारित आभूषणों के लिए न्यूनतम 15 प्रतिशत अधिक निर्धारित मूल्य में किसी भी समय कटौती न करे। आयात नीति 1981-82 के परिशिष्ट-31 में विद्यमान योजना के पैग 20 की शर्तें भी लागू होंगी।

8. हस्तशिल्प और हथकरघा नियंत्रित नियम द्वारा प्रतिपूर्ति के रूप में भारत में आयातित सोना भारत सरकार के टकसाल में जमा किया जाएगा और बाद में पात्र सहृदयियों को इहा किया जाएगा। आयात नीति 1981-82 के परिशिष्ट-31 में विद्यमान योजना में इस सम्बन्ध में निर्धारित आयातित विस्तृत रूप से लागू होगी।

9. इस योजना के मध्यीन मर्दों के नियंत्रित और बिन्दी से सोने की मात्रा की प्रतिपूर्ति की उस सीमा को छोड़कर किसी भी प्रत्य प्रतिपूर्ति/लाभ के लिए पात्रता प्राप्त नहीं होगी जो इस योजना में निर्धारित की गई है।

मणि नारायणस्वामी,
मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE No. 53-ITC(PN)/81

New Delhi, the 26th October, 1981

SUBJECT :—Export of gold ornaments/articles by HHEC for exhibition abroad and for its sale.

File No. 6/182/81-EPC : The scheme for export of gold ornaments and articles for sale at exhibitions to be held in United Arab Emirates (UAE) by the Handicrafts and Handloom Export Corporation of India Limited in November, 1981 and for import of gold as replenishment, is given in the following Annexure to this Public Notice :—

ANNEXURE

Scheme for export of gold ornaments and articles for sale at exhibitions to be held in UAE by the Handicrafts and Handloom Export Corporation of India Limited, during November, 1981

Under this Scheme, export of gold ornaments and articles (other than coins) as defined in the Gold (Control) Act, 1968, will alone be allowed. The items for export should be made of purity not less than 0.5833 fineness which corresponds to 14 carats.

2. The export will be made by HHEC or its associates. The eligible associates will be those as are categorised in para 3 of the existing scheme contained in Appendix 31 of Import Policy, 1981-82.

3. Under this scheme, exports will be made on consignment basis, with the approval of the Reserve Bank of India, for holding exhibitions in UAE. The description of each item exported, its total weight/value, and the weight and purity of its gold content, should be clearly given. In the case of studded items in addition to gold content as above, the description/weight/value of the stones/gems/pearls used in their manufacture, as well as the weight/value of any other precious metals used for alloying gold should also be given.

4. At the time of export, the gold content of the item to be exported, will be verified by the Customs Authority in the manner as laid down in para 17 of the existing scheme in Appendix 31 of Import Policy, 1981-82.

5. The export shall be subject to the conditions that (i) the items exported which are not sold abroad shall be re-imported into India within 15 days of the close of the exhibition, and (ii) in respect of the items sold abroad, the gold content thereof shall be imported as replenishment not later than 15 days of the close of the exhibition. The Handicrafts and Handloom Export Corporation of India Limited shall execute a bond to this effect with the Customs Authority before export is allowed.

6. A minimum value added of 15 per cent over the value of the gold content as laid down in para 6 of the existing scheme in Appendix 31 of Import Policy, 1981-82 will also apply here.

7. Purchase of gold as replenishment will be made with the assistance of the State Bank of India or their duly authorised agent in Dubai. It will be ensured that the price of gold paid is such that it does not at any time erode the prescribed minimum value added of 15 per cent for the jewellery exported. The provisions of para 20 of the existing scheme in Appendix 31 of Import Policy, 1981-82 will also apply.

8. The gold imported into India as replenishment by HHEC will be deposited with the Government of India Mint and for subsequent release to eligible associates. The details of the procedure laid down in this regard in the existing scheme in Appendix 31 of Import Policy, 1981-82 will apply.

9. Exports and sales of items under this scheme shall not qualify for any other replenishment/benefit except to the extent of the replenishment of gold content as laid down in this scheme.

MANI NARANSWAMI, Chief Controller of Imports & Exports.